Ashtalakshmi Stotram Lyrics

॥ अष्टलक्ष्मी स्तोत्रम् ॥

॥ आदलिक्ष्मि ॥

सुमनस वन्दति सुन्दरि माधवि,चिन्द्र सहोदरि हेममये

मुनगिणमण्डति मोक्षप्रदायनि,मञ्जुळभाषणि वेदनुते।

पङ्कजवासनि देवसुपूजति,सद्गुण वर्षणि शान्तयिते

जय जय हे मधुसूदन कामनि,आदलिक्ष्मि सदा पालय माम्॥१॥

॥ धान्यलक्ष्मि ॥

अहकिलि कल्मषनाशनि कामनि,वैदकिरूपणि वेदमये

क्षीरसमुद्भव मङ्गलरूपणि,मन्त्रनविासनि मन्त्रनुते।

मङ्गलदायनि अम्बुजवासनि,दैवगणाश्रति पादयुते

जय जय हे मधुसूदन कामनि,धान्यलक्ष्मि सदा पालय माम् ॥२॥

॥ धैर्यलक्ष्मि ॥

जयवरवर्णनि वैष्णवि भार्गवि,मन्त्रस्वरूपणि मन्त्रमये

सुरगणपूजति शीघ्रफलप्रद,ज्ञानवकिासनि शास्त्रनुते।

भवभयहारणि पापवमिोचनि,साधुजनाश्रति पादयुते

जय जय हे मधुसूधन कामनि,धैर्यलक्ष्मी सदा पालय माम् ॥३॥

॥ गजलक्ष्मि ॥

जय जय दुर्गतनिाशनि कामनि,सर्वफलप्रद शास्त्रमये

रधगज तुरगपदाति समावृत,परजिनमण्डति लोकनुते।

हरहिर ब्रहम सुपूजति सेवति,तापनविारणि पादयुते

जय जय हे मधुसूदन कामनि,गजलक्ष्मी रूपेण पालय माम् ॥४॥

॥ सन्तानलक्ष्मि ॥

अहखिग वाहनि मोहनि चक्रणि,रागवविर्धनि ज्ञानमये

गुणगणवारधि लोकहतैषणि,स्वरसप्त भूषति गाननुते।

सकल सुरासुर देवमुनीश्वर,मानववन्दति पादयुते

जय जय हे मधुसूदन कामनि,सन्तानलक्ष्मी त्वं पालय माम् ॥५॥

॥ वजियलक्ष्मि ॥

जय कमलासनि सद्गतदायनि,ज्ञानवकासनि गानमये

अनुदनिमर्चति कुङ्कुमधूसर,भूषति वासति वाद्यनुते।

कनकधरास्तुति वैभव वन्दति,शङ्कर देशकि मान्य पदे

जय जय हे मधुसूदन कामनि,विजियलक्ष्मी सदा पालय माम् ॥६॥

॥ वद्यिालक्ष्मि ॥

प्रणत सुरेश्वरि भारति भार्गवि,शोकवनिाशनि रत्नमये

मणमियभूषति कर्णवभिूषण,शान्तसिमावृत हास्यमुखे।

नवनधिदायनि कलमिलहारणि,कामति फलप्रद हस्तयुते

जय जय हे मधुसूदन कामनि,विद्यिालक्ष्मी सदा पालय माम् ॥७॥

॥ धनलक्ष्मि ॥

धमिधिमि धधिमि धधिमि-धधिमि,दुन्दुभि नाद सुपूर्णमये

घुमघुम घुङ्घुम घुङ्घुम घुङ्घुम,शङ्खननिाद सुवाद्यनुते।

वेदपूराणेतहिास सुपूजति,वैदकिमार्ग प्रदर्शयुते

जय जय हे मधुसूदन कामनि,धिनलक्ष्मि रूपेणा पालय माम् ॥८॥